संख्या-19/2015/827/सैंतीस-2-2015-1(45)/96टीसी

प्रेषक,

सुरेन्द्र सिंह,
विशेष सचिव,
उत्तर प्रदेश शासन।

सेवा में,

निदेशक,
पशुपालन विभाग,
उत्तर प्रदेश, लखनऊ।

पशुधन अनुभाग-2 लखनऊ :: दिनांक-31 मार्च, 2015

विषयः- **उ0प्र0वेटनरी काउन्सिल (50 प्रति.के.पो.) योजनान्तर्गत चालू वित्तीय वर्ष 2014-15 हेतु प्राविधानित धनराशि के सापेक्ष वित्तीय स्वीकृति।**

महोदय,

उपर्युक्त विषयक आपके पत्र सं0-495/35-21/वे.का./2014-15, दि0-25.03.2015 के संदर्भ में एवं शासनादेश संख्या-1048/सैंतीस-2-2014-1(45)/96टीसी, दि0-05.05.2014 तथा शासनादेश संख्या-2706/सैंतीस-2-2014-1(45)/96टीसी, दि0-15.10.2014 के अनुक्रम में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि चालू वित्तीय वर्ष 2014-15 में प्रश्नगत योजनान्तर्गत निम्न मानक मदों में प्राविधानित धनराशि के सापेक्ष रू0-1000 हजार (रूपये दस लाख मात्र) की स्वीकृति श्री राज्यपाल अधोलिखित प्रतिबन्धों के अधीन इस शर्त के साथ प्रदान करते हैं कि स्वीकृत धनराशि का आहरण/व्यय योजनान्तर्गत उपलब्ध परिव्यय की सीमा तक भारत सरकार द्वारा अनुमोदित कार्य योजना के अनुसार अनुमोदित मदों में निर्धारित गाइडलाईन्स का पूर्ण अनुपालन सुनिश्चित करते हुए भारत सरकार से प्राप्त केन्द्रांश की सीमा तक ही किया जायेगाः-

मानक मद	**स्वीकृत धनराशि (हजार में)**
01-वेतन	460
02-मजदूरी	21
03-मंहगाई भत्ता	490
06-अन्य भत्ते	16
42-अन्य व्यय	13
योग-	**1000**

(रूपये दस लाख मात्र)

2- स्वीकृत धनराशि का आहरण/व्यय करते समय वित्त (आय-व्ययक) अनुभाग-1 के कार्यालय ज्ञाप सं0-बी-1-2457/दस-2014-231/2014, दि0-22.07.2014 में दिये गये निर्देशों तथा शासनादेश सं0-बी-1-1195/दस-16/94, दि0 06.06.94 द्वारा निर्गत आदेशों का कड़ाई के साथ अनुपालन सुनिश्चित किया जाय।

3- स्वीकृत धनराशि को किसी ऐसे मद में न व्यय किया जाय, जिसके लिए फाइनेन्शियल हैण्डबुक तथा बजट मैनुअल के नियमों के अन्तर्गत शासन या अन्य सक्षम अधिकारी की पूर्व स्वीकृति आवश्यक

1- यह शासनादेश इलेक्ट्रानिकली जारी किया गया है, अतः इस पर हस्ताक्षर की आवश्यकता नहीं है ।

2- इस शासनादेश की प्रमाणिकता वेब साइट http://shasanadesh.up.nic.in से सत्यापित की जा सकती है ।

http://shasanadesh.up.nic.in

है। ऐसा व्यय अपेक्षित स्वीकृति प्राप्त करके ही किया जाये तथा जिन मदों के लिए धनराशि स्वीकृत है, स्वीकृति की सीमा तक उन्हीं मदों में धनराशि का व्यय किया जाय। इसमें विचलन होने पर वित्त नियँत्रक का यह दायित्व होगा कि इसकी सूचना तुरन्त वित्त विभाग को दें।

4- शासन द्वारा समय-समय पर निर्गत व्यय प्रबन्धन एवं शासकीय व्यय में मितव्ययता संबंधी शासनादेशों का पूर्ण अनुपालन सुनिश्चित किया जाये।

5- इस शासनादेश में उल्लिखित शर्तों का अनुपालन विभाग में तैनात/कार्यरत वित्त नियँत्रक/वरिष्ठ/मुख्य लेखाधिकारी जैसी भी स्थिति हो, सुनिश्चित करेंगे। निर्धारित शर्तों में विचलन की दशा में वित्त नियँत्रक का दायित्व होगा कि वह मामले की पूर्ण विवरण सहित सूचना तुरन्त वित्त विभाग को उपलब्ध कराये।

6- उक्त योजनान्तर्गत भारत सरकार से प्राप्त होने वाली केन्द्रीय सहायता की धनराशि राज्य सरकार के प्राप्त लेखाशीर्षक-''1601-केन्द्रीय सरकार के सहायक अनुदान-04-केन्द्र द्वारा पुरोनिधानित योजनाएं-800-अन्य अनुदान-15-कृषि तथा अन्य सम्बद्ध विभाग (पशुधन)'' के नामे डाला जायेगा।

7- एतद्संबंधी व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2014-15 के आय व्ययक के अनुदान सं0-15 के अधीन लेखाशीर्षक-''2403-पशुपालन-आयोजनागत-101-पशु चिकित्सा सेवायें तथा पशु स्वास्थ्य-02-राष्ट्रीय पशु स्वास्थ्य तथा रोग नियंत्रण कार्यक्रम-0203-उ.प्र.वेटरिनरी काउन्सिल (50 प्रति.के.पो.)'' की सुसंगत प्राथमिक इकाईयों के नामे डाला जायेगा।

8- यह आदेश वित्त (आय-व्ययक) अनुभाग-1 के कार्यालय-ज्ञाप सं0-बी-1-2457/दस-2014-231/2014, दि0-22.07.2014 द्वारा प्रदत्त अधिकारों के अधीन जारी किए जा रहे हैं।

भवदीय,

(**सुरेन्द्र सिंह**)
विशेष सचिव।

<u>पृ0सं0-19/2015/827(1)/सैंतीस-2-2015- तद्दिनांक ।</u>

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

1. महालेखाकार (लेखा एवं हकदारी)/(लेखा-परीक्षा) प्रथम/द्वितीय, उत्तर प्रदेश, इलाहाबाद।
2. संयुक्त सचिव, पशुपालन, दुग्ध एवं मत्स्यपालन विभाग, कृषि मँत्रालय, नई दिल्ली।
5. वित्त नियंत्रक/संयुक्त निदेशक (नियोजन), पशुपालन विभाग, उ0प्र0, लखनऊ।
6. वित्त (व्यय-नियंत्रण) अनु0-2/नियोजन अनु0-3/वित्त संसाधन (केन्द्रीय-सहायता) अनुभाग
7. कोषाधिकारी, आदर्श कोषागार, कलेक्ट्रेट, लखनऊ।
8. गार्ड फाईल।

आज्ञा से,

(**रणविजय सिंह**)
उप सचिव।

1- यह शासनादेश इलेक्ट्रानिकली जारी किया गया है, अत: इस पर हस्ताक्षर की आवश्यकता नहीं है ।

2- इस शासनादेश की प्रमाणिकता वेब साइट http://shasanadesh.up.nic.in से सत्यापित की जा सकती है ।

http://shasanadesh.up.nic.in